संपादक
संजय सहाय

संपादन सहयोग (अवैतनिक)
बलवंत कौर
विभास वर्मा

प्रबंध निदेशक
रचना यादव

कार्यालय व्यवस्थापक
बीना उनियाल

प्रसार एवं लेखा प्रबंधक
हारिस महमूद

कार्यालय सहायक
किशन कुमार, दुर्गा प्रसाद

विज्ञापन
राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल

रेखाचित्र
सिद्धेश्वर, संदीप राशिनकर, विकेश निझावन, किरण राजपुरोहित

कार्यालय
अक्षर प्रकाशन प्रा. लि.
2/36, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-2
संजय सहाय : 9748759316
दूरभाष : 011-41050047, 23270377
ईमेल : editorhans@gmail.com
वेबसाइट : www.hanshindimagazine.in

मूल्य : 40 रु., वार्षिक : 400 रुपए
संस्था और पुस्तकालय : 600 रुपए
आजीवन : 10,000 रुपए
विदेशों में : 70 डॉलर
सारे भुगतान मनीऑर्डर/चैक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा अक्षर प्रकाशन प्रा. लि. (Akshar Prakashan Pvt. Ltd.) के नाम से किए जाएं.

हंस/अक्षर प्रकाशन प्रा. लि. से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे.
अंक में प्रकाशित सामग्री के पुनर्प्रकाशन के लिए लिखित अनुमति अनिवार्य है.
प्रकाशक-मुद्रक : **रचना यादव खन्ना** द्वारा अक्षर प्रकाशन प्रा. लि., 2/36, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स (प्रो. भास्कर इंडस्ट्रीज लि.) बी-220, फेज-II नोएडा (उ.प्र.) से मुद्रित. संपादक–संजय सहाय

'केंद्रीय हिंदी संस्थान', आगरा से सहयोग प्राप्त

मूल संस्थापक : **प्रेमचंद : 1930**
पुनर्संस्थापक : **राजेन्द्र यादव : 1986**

पूर्णांक-363 वर्ष:31 अंक:6 जनवरी 2017

आवरण चित्र : बंशीलाल परमार

हंस

जनचेतना का प्रगतिशील कथा-मासिक

इस अंक में

संपादकीय
4. अर्थव्यवस्था का आखेट-2 : संजय सहाय

अपना मोर्चा
7. अपना मोर्चा

कहानियां
12. छोटे-छोटे बड़े युद्ध : रामधारी सिंह दिवाकर
19. अंधेरा कमरा : एजाजुल हक
55. घड़ीसाज : मनीष वैद्य
63. हमसफर नहीं... : सपना सिंह
74. कॉकटेल (पंजाबी कहानी) : निर्मल जसवाल राणा (अनुवाद : सुभाष नीरव)

कविताएं
34. लवली गोस्वामी, कुमार विजय गुप्त
35. नीलिमा सिन्हा

धारावाहिक उपन्यास
36. कल्चर-वल्चर-10 : ममता कालिया

लेख
26. मीडिया के आग्रह और दुराग्रह : विष्णु नागर
58. मिथक और स्त्री-आंदोलन का अगला चरण : संजीव चंदन
72. अखबार की जरूरत : अमित चमड़िया

घुसपैठिये
67. कहानियों की कतार : दीपिका

ख़रामा-ख़रामा
60. प्रेम और पातिव्रत्य-3 : संजीव कुमार

लघुकथा
33. महेश राजा

ग़ज़ल
89. ज़हीर कुरेशी

बीच बहस में
52. रिवायतों के बहाने : हुस्न तबस्सुम निहां
70. कहानी में रतिकर्म की तलाश : ओमप्रकाश मिश्र

परख
80. 'उत्तराधिकारिणी' बनने की संघर्ष-कथा : टेकचंद/विभास वर्मा
83. समाज के नापाक चियड़े उधेड़ता उपन्यास : पान सिंह
86. कटु सच देखने-दिखाने का बेलाग, बेबाक बयान : राजकुमार सिंह

शब्दवेधी/शब्दभेदी
88. कास्त्रो का क्यूबा : तसलीमा नसरीन

रेतघड़ी
90-93

सृजन परिक्रमा
94. वर्ष 2016 : निराशा के बावजूद : दिनेश कुमार